Taittirlya Samhita - TS 2 Sanskrit Corrections - Observed till 30th April 2020.

(ignore those which are already incorporated in your book's version and date)

| Section, Paragraph | As Printed | To be read as or corrected as |
|--------------------|---|--|
| Reference | | |
| TS 2.1.7.3 | | |
| Line No. 2 | अहर्वारुणी रात्रिरहोरा <mark>त्रा</mark> भ्यां | अहर्वारुणी रात्रिरहो <mark>रा</mark> त्राभ्यां |
| Panchaati No. 43 | | |
| TS 2.2.1.1 | 1 0 | |
| Line No. 1 | ताः सृ <mark>ष्टा</mark> इन्द्राग्नी | ताः <mark>सृ</mark> ष्टा इन्द्राग्नी |
| Panchaati No. 1 | | _ |
| TS 2.2.1.1 | | |
| Line No. 5 | विन्द <mark>ते</mark> ऐन्द्राग्न-मेकादशकपाल | विन्द <mark>त</mark> ऐन्द्राग्न–मेकादशकपाल |
| Panchaati No. 1 | | |
| TS 2.2.4.3 | | |
| Line No. 1 | यदग्नये शुच <mark>ये</mark> आयुरेवास्मिन् | यदग्नये शुच <mark>य</mark> आयुरेवास्मिन् |
| Panchaati No. 17 | | , |
| TS 2.2.5.5 | | |
| Line No. 5 | ँयतेऽवसं करोति <mark>ता</mark> दृ – [] 27 | ँयतेऽवसं करोति <mark>ता</mark> दृ — [] 27 |
| Panchaati No. 27 | | _ ° |
| TS 2.2.6.3 | <u>. </u> | |
| Line No. 1 | ँवरुणो गृह्णात्या <mark>यं</mark> ँवा | ँवरुणो गृह्णात्या <mark>व्यं</mark> ँवा (it is "vyam") |
| Panchaati No. 32 | | — — — — — — — — — — — — — — — — — — — |
| TS 2.2.7.1 | | |
| Line No. 1 | चरुं निर्वपेत् पशुका <mark>म</mark> | चरुं निर्विपेत् पशु <mark>का</mark> म |
| Panchaati No. 35 | - ` - ` - | - ` - ` - |
| | | |

| TS 2.2.9.6 Line No. 4 | ा सवनं तेनाऽऽ*प्नोत्याग्नावैष्णवं | ा स्वनं तेनाऽऽ*प्नोत्याग्नावैष्णवं |
|--------------------------|--|--|
| Panchaati No. 51 | _ | _ |
| TS 2.2.10.2 | | |
| Line No. 3 | मार्जयन्ते यवदेव ब्रह्मवर्चसं | मार्जयन्ते <mark>या</mark> वदेव ब्रह्मवर्चसं |
| Panchaati No. 54 | | |
| TS 2.2.12.7 | , , , , , , , | , , , , , , |
| Line No. 4 | उभे सुश्चन्द्र स <mark>र्</mark> पिषो दवीं | उभे सुश्चन्द्र स <mark>र्</mark> पिषो दर्वी |
| Panchaati No. 70 | | (swaritam removed) |
| TS 2.3.3.5 | Ţ | Į |
| Line No. 2 | या <mark>जया</mark> नुवाक्ये भवतः | या <mark>ज्या</mark> नुवाक्ये भवतः |
| Panchaati No. 19 | <u> </u> | <u> </u> |
| TS 2.3.4.1 | | |
| Line No. 3 | निर्वपेद्यः कामयेत दान <mark>क</mark> मा | निर्वपेद्यः कामयेत दान <mark>का</mark> मा |
| Panchaati No. 20 | | |
| TS 2.3.5.3 | | |
| Line No. 2 | चरुं निर्वपेदादि <mark>या</mark> नेव | चरुं निर्वपेदादि <mark>त्या</mark> नेव |
| Panchaati No. 26 | | |
| TS 2.3.13.1 | larle manufacture de la constitución de la constitu | The same of the sa |
| Line No. 4 | गृहेष्वफ्स्वोषधीषु वनस्पति <mark>षु</mark> | गृहेष्वफ्स्वोषधीषु वनस्पतिषु |
| Panchaati No. 48 | | |
| TS 2.3.14.4 | जा कर स्मार् | m at and |
| Line No. 4 | या वः <mark>श</mark> र्म | या वः श <mark>म</mark> |
| Panchaati No. 54 | | |
| TS 2.4.5.1 | | येन देवा अम <mark>तं</mark> – [] 15 |
| Line No. 9 | येन देवा अमृ <mark>तं</mark> – [] 15 | येन <u>दे</u> वा अमृ <mark>तं</mark> — [] 15 |
| Panchaati No. 15 | <u> </u> | _ |

| TS 2.4.7.1 Line No. 5 Panchaati No. 19 | वर्.षन् <mark>भी</mark> मरावथ्स्वाहा | वर्.षन् <mark>भी</mark> मरावथ्स्वाहा |
|--|---|---|
| TS 2.4.7.1 Line No. 6 Panchaati No. 19 | स्वाहा ऽतिरा <mark>त्रां</mark> वर्.षन् | स्वाहा ऽति <mark>रात्रं</mark> वर्.षन् |
| | | (2 errors rectified) |
| | | र् (anudattam inserted)& |
| | | <mark>র</mark> (dheerga maatra and anudattam removed) |
| TS 2.4.8.1 Line No. 3 Panchaati No. 21 | देवाः स <mark>पी</mark> तयो ऽपान् | देवाः सपी <mark>त</mark> यो ऽपान् |
| TS 2.5.1.5 Line No. 4 Panchaati No. 5 | ँविन्द <mark>ते</mark> काममा विजनितोः | विन्द <mark>न्ते</mark> काममा विजनितोः |
| TS 2.5.3.1 Line No. 2 Panchaati No. 15 | पू <mark>ण</mark> मासेऽनुनिर्वाप्यमपञ्यत् | पू <mark>र्ण</mark> मासेऽनुनिर्वाप्यमपञ्यत् |

| TS 2.5.3.5 | 100 100 | |
|--------------------|---|---|
| Line No. 2 | द्येदि <mark>द्रि</mark> यमेवास्मिन् वीर्य⊌ | द्येदि <mark>न्द्रि</mark> यमेवास्मिन् वीर्य৺ |
| Panchaati No. 19 | ` - | |
| TS 2.5.5.1 | | |
| Line No. 4 | प्रजया पशुभिद्धेयति | प्रजया पशु <mark>भिरद्ध</mark> यति |
| Panchaati No. 27 | | |
| TS 2.5.11.1 | | |
| Line No. 2 | कुरुते तिष्ठन् <mark>ञवा</mark> ह तिष्ठन्. | कुरुते तिष्ठन्न <mark>न</mark> ्वाह तिष्ठन्. |
| Panchaati No. 61 | ~ - | <u> </u> |
| TS 2.5.6.1 | | |
| Line No. 5 | चक्षु <mark>षी</mark> यद्–दर्.शपूर्णमासौ | चक्षु <mark>षी</mark> यद्-दर्.शपूर्णमासौ |
| Panchaati No. 33 | , , , , _ | , , , |
| TS 2.5.7.3 | | |
| Line No. 3 | प्रवो वाजा इ <mark>त्या</mark> न्वाह | प्रवो वाजा इ <mark>त्य</mark> न्वाह |
| Panchaati No. 41 | | - |
| TS 2.5.9.3 | | |
| Line No. 3 | ह्येष देवपा <mark>नो</mark> ऽराॶॱ इवाग्ने | ह्येष देवपा <mark>नो</mark> ऽरा ् इवाग्ने |
| Panchaati No. 53 | ` | |
| TS 2.5.9.5 | | |
| Line No. 5 | <mark>ाज</mark> मानदेवत्या वै | <mark>या</mark> जमानदेवत्या वै |
| Panchaati No. 55 | | ("ya" deleted while editing in ealier |
| | | version, now inserted) |
| TS 2.5.10.3 | <u> </u> | |
| Line No. 4 | विराज <mark>ैव</mark> स्मा अन्नाद्यमव | विराज <mark>ैवा</mark> स्मा अन्नाद्यमव |
| Panchaati No. 59 | | |
| i andiaati ivo. 33 | | (it is deergham) |

| TS 2.6.3.3 Line No. 1 | ्रपञ्यन् पुरोडाञ्चं <mark>कू</mark> र्मं | प्रथम् पुरोडाशं <mark>क</mark> ूर्म |
|--------------------------|---|---|
| Panchaati No. 16 | 3444 (43.13141 <mark>47</mark> .11 | 0444 (3 (1 5)41 |
| TS 2.6.3.4 | | |
| Line No. 3 | विदग्धः स नैर्ऋतो | विदग्धः स नै <mark>र्</mark> .ऋतो |
| Panchaati No. 17 | _ `_ | (better representation) |
| TS 2.6.4.3 | | |
| Line No. 5 | पारगृह्णात क्र <mark>ारम</mark> व वा – [] 22 | परिगृह्णाति क्रू <mark>रमि</mark> व वा - [] 22 |
| Panchaati No. 22 | <u>~</u> | |
| TS 2.6.9.1 | | . " |
| Line No. 3 | सकृथ् स <mark>कृ</mark> थ् सं मार्ष्टि | स्कृथ्स <mark>कृ</mark> थ् सं मार्ष्टि |
| Panchaati No. 49 | _ ` ` | _ ~ ` - |
| TS 2.6.9.2 | | |
| Line No. 3 | ऽसप्र <mark>ता</mark> यज्ञः स्यात् | ऽसप्र <mark>ता</mark> यज्ञः स्यात् |
| Panchaati No. 50 | ` | ` |

<u>Taittirlya Samhita – TS 2 Sanskrit Corrections – Observed till 31st July 2019.</u>

(ignore those which are already incorporated in your book's version and date)

| Section, Paragraph Reference | As Printed | To be read as or corrected as |
|--|---|--|
| TS 2.1.4.1– Vaakyam 21st Panchaati | देवाः प्रायश्चित्ति <mark>म</mark> च्छन् तस्मा _ | |
| TS 2.1.4.2 – Vaakyam 22 nd Panchaati | वसन्ता प्रात <mark>र्ग</mark> ीष्मे — | वसन्ता प्रात <mark>ग्री</mark> ष्मे (it is not "gnee" but "gree") |
| TS 2.1.4.7 – Vaakyam 27th Panchaati, last line | समृ <mark>द्धयै</mark> वायव्यं — | र । ज) । समृ <mark>द्ध्यै</mark> वायव्यं — |
| TS 2.1.6.3– Vaakyam 38th Panchaati | धावति स <mark>ऐ</mark> वास्मै सनिं _ | धावति स <mark>प्</mark> वास्मै सनिं (it is not "ai") |
| TS 2.1.8.1 Vaakyam 48th Panchaati | श्वेतां वशामा ल <mark>बेता</mark> मुमेवा — — | श्वेतां वशामा ल <mark>भे</mark> तामुमेवा — — |
| TS 2.2.1.4 - Vaakyam 4 th Panchaati | धत्तो नेन्द्रियेण वी <mark>र्ये</mark> ण — — — | धत्तो नेन्द्रियेण वी <mark>र्य</mark> ण |

| TS2.2.5.3 - Vaakyam 25 th Panchaati | ब्रह्मवर्चसेन <mark>पुनाति</mark> यन्नवकपाल | ब्रह्मवर्चसेन <mark>पुनाति</mark> यन्नवकपाल |
|--|---|---|
| TS 2.2.5.3 - Vaakyam 25 th Panchaati | तेजो दधाति यद्- <mark>दश</mark> कपालो — | तेजो दधाति यद्- <mark>दशक</mark> पालो — |
| TS 2.2.5.5 - Vaakyam 27th Panchaati | ऋतायवः पुराऽन्नमक्ष <mark>ना</mark> – | । । । अस्तायवः पुराऽन्नमक्ष <mark>न्ना</mark> - |
| TS 2.2.6.5 - Vaakyam 34th Panchaati | र <mark>ज्ज्वो</mark> त्तमां गामाजेत् तां | र <mark>ज्व</mark> ोत्तमां गामाजेत् तां |
| TS 2.2.8.2 - Vaakyam 41st Panchaati | संग्रामे संँय <mark>त्ते</mark> इन्द्रियेण — | संग्रामे सँय <mark>त्त</mark> इन्द्रियेण |
| TS 2.2.10.3 - Vaakyam 55th Panchaati | एवास्मै रेतो दधात्य <mark>गनिः</mark> — — — | |
| TS 2.2.12.7 - Vaakyam 70th Panchaati | ँयुवस्व पोष्या <mark>नां</mark> । — — | ँयुवस्व पोष्या <mark>णां</mark> । — — |
| TS 2.3.5.3 - Vaakyam 26th Panchaati | एतमादित्यं चरुं निर्वपे <mark>द</mark> दियानेव | एतमादित्यं चरुं निर्वपे <mark>द</mark> ादियानेव |

| TS 2.3.5.3 - Vaakyam | ्रा <mark>ध</mark> वति त एवैनं | <mark>धा</mark> वति त एवैनं |
|--|--|---|
| 26th Panchaati | מיות מ פטא – – – – – – – – – – – – – – – – – – – | |
| TS 2.3.7.3 - Vaakyam | रु <mark>न्धे</mark> उत्तानेषु कपालेष्वधि | र <mark>न्ध</mark> उत्तानेषु कपालेष्वधि |
| 31st Panchaati | | |
| TS 2.4.7.2 - Vaakyam 20th Panchaati | दिद्युद्- <mark>वर्.र्ष</mark> न्भूतरावृथ् | दिद्युद्- <mark>वर्.ष</mark> न्भूतरावृथ् |
| | | (out of two "r.", one deleted) |
| TS 2.4.12.2 - Vaakyam | इमां ँलोकानवृणोद्य- <mark>दि</mark> मां | इमां [*] लोकानवृणोद्य- <mark>दि</mark> मां |
| 37th Panchaati | \$41 | \$4 |
| TS 2.4.12.3 - Vaakyam | | |
| 38th Panchaati | तृतीय-मभिपर्यावर्ता <mark>द्-ह्य</mark> िबेभेद्यत् | तृतीय-मभिपर्यावर्ता <mark>द्-ध्य</mark> बिभेद्यत् |
| TS 2.5.1.2-Vaakyam | ्रभवत्यथ् सुरापान्ं | ्रभव <mark>द् य</mark> थ् सुरापान ् |
| 2nd Panchaati | | |
| TS 2.5.1.5-Vaakyam | प्रजां विन्द <mark>न्ते</mark> काममा | प्रजां विन्द <mark>ते</mark> काममा |
| 5th Panchaati | | ` ` |
| TS 2.5.2.3-Vaakyam | तच्छीतरूरयोर्जन्म य <mark>ऐ</mark> वर् | तच्छीतरूरयोर्जन्म य <mark>ए</mark> वर् |
| 10th Panchaati | | ` |

| TS 2.5.2.4-Vaakyam 11th Panchaati | ॥ । तस्मा-ज् <mark>ञञ</mark> ्चभ्यमानादग्नीषोमौ | ॥ । तस्मा-ज् <mark>ञञ</mark> ्जभ्यमानादग्नीषोमा |
|--------------------------------------|--|--|
| | | (it is "nja" / not "ncha") |
| TS 2.5.3.3-Vaakyam | सं <mark>नेय</mark> तेति तत् | सं नयतेति तत् |
| 17th Panchaati | ` | |
| TS 2.5.5.6-Vaakyam | समञ्नीयान्न <mark>स्त्रय</mark> मुपेयान्नास्य | समञ्नीयान्न स्त्रियमुपेयान्नास्य |
| 32nd Panchaati | | |
| TS 2.5.6.1-Vaakyam | यद्- <mark>दर्श</mark> पूर्णमासौ यो | यद्- <mark>दर्.श</mark> पूर्णमासौ यो |
| 33rd Panchaati | ~ _ | |
| (correction at 4 places) | | |
| TS 2.5.6.2-Vaakyam | दर्शपूर्णमासौ | द <mark>र्श</mark> पूर्णमासौ |
| 34th Panchaati | | ~ _ |
| (correction at 4 places) | | |
| TS 2.5.7.1-Vaakyam | प्रजा <mark>ऐ</mark> व तद्-यजमानः | प्रजा <mark>ए</mark> व तद्-यजमानः |
| 39th Panchaati | | _ |
| TS 2.5.10.4-Vaakyam | । छिन्दा७स्य वर <mark>ुन्द</mark> धानि | । छन्दा⊌स्य वरु <mark>द</mark> धानि |
| 60th Panchaati | <u> </u> | <u> </u> |

| TS 2.5.11.9-Vaakyam | ्रा यद्ब्राह्मणं पराहाऽऽ <mark>त्मनं</mark> | ्रा यद्ब्राह्मणं पराहाऽऽ <mark>त्मानं</mark> |
|---------------------|--|---|
| 69th Panchaati | | |
| TS 2.5.12.4-Vaakyam | दीदाय दैव्यो अ <mark>तिथिः</mark> | दीदाय दैव्यो अ <mark>तिथिः</mark> |
| 73rd Panchaati | | |
| TS 2.6.1.1-Vaakyam | । यजति <mark>वर.</mark> षा एवाव | । यजति <mark>वर.</mark> षा एवाव |
| 1st Panchaati | | |
| TS 2.6.2.1-Vaakyam | दधाति पू <mark>वा</mark> द्धें जुहोति | दधाति पू <mark>र्व</mark> ाद्धें जुहोति |
| 8th Panchaati | | · – |
| | | (it is "pU <mark>r</mark> vaardhe) |
| TS 2.6.3.5-Vaakyam | एतदस्मा <mark>न्ँलो</mark> कादगतं | एतदस्मा <mark>ल लो</mark> कादगतं |
| 18th Panchaati | | |
| TS 2.6.6.2-Vaakyam | | |
| 31st Panchaati | परिधि स्क <mark>न्दा</mark> ति तेषां | परिधि स्क <mark>न्दित</mark> तेषां |
| TS 2.6.6.6-Vaakyam | दि <mark>क</mark> स्वायामेव दिशि | । दि <mark>ख</mark> स्वायामेव दिशि |
| 35th Panchaati | ाद <mark>्श</mark> स्थायाम्य द्वारा — — | ाप <mark>्य</mark> स्थापाम्य ।पारा — — |
| TS 2.6.7.3-Vaakyam | ्रा हि पञ्चावो मानवीत्या <mark>ह</mark> | । । हि पञ्चावो मानवीत्या <mark>ह</mark> |
| 38th Panchaati | | |
| TS 2.6.8.2-Vaakyam | परोक्षमे <mark>वन</mark> -ज्जुहोति | ागेश्मोतेन ज्लटोनि |
| 43rd Panchaati | पराक्षम <mark>्यम्</mark> – भारतात | परिक्षम <mark>विन</mark> —ज्जुहोति |

| TS 2.6.9.1-Vaakyam 49th Panchaati | वा ऐतर्.हि यज्ञः | वा <mark>एतर्</mark> .हि यज्ञः |
|--------------------------------------|--|--|
| TS 2.6.10.1-Vaakyam 57th Panchaati | ते शुँयुं <mark>बार्</mark> .हस्पत्यमब्रुवन्निमं | ते शुँयुं <mark>बार्</mark> .हस्पत्यमबुवन्निमं |

Taittirlya Samhita - TS 2 Sanskrit Corrections - Observed till 31th Jan 2019

(ignore those which are already incorporated in your book's version and date)

| Section, Paragraph Reference | As Printed | To be read as or corrected as |
|---------------------------------|-----------------------------|--------------------------------------|
| | | |
| TS 2.2.11.5 | सः इन्द्रः | स इन्द्रः (visargam to drop for 's') |
| TS 2.6.6.5 Last line | रुद्र उत्तरार्धादव द्यत्येष | रुद्ध उत्तरार्धादव द्यत्येष — |